

# फर्द अहकाम

कार्यालय सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक) एवं उपखण्ड अधिकारी मावली, उदयपुर

मुकदमा 88-188 RT Act विपक्षी राम पत्रावली संख्या 43/16 सन् \_\_\_\_\_

कार्यवाही विवरण	हस्ताक्षर पार्टी तथा सूचनाएं जारी की गई
<p>11/11/25                      वकूलस्य वादी/प्रतिवादी उप <u>दा. कायम/तलवी</u>                      के लिये मौका चाहते है। अतः <u>स.स. 46 की गत 42</u>                      अवसर दिया जाकर पत्रावली दि <u>18/12/25</u>                      को पेश हो।                      (SDO) मावली</p>	
<p>18/12/25                      वकूलस्य वादी/प्रतिवादी उप <u>दा. कायम/तलवी</u>                      के लिये मौका चाहते है। अतः <u>स.स. 46</u>                      अवसर दिया जाकर पत्रावली दि <u>19/1/26</u>                      को पेश हो।                      (SDO) मावली</p>	<p>दा. का</p>
<p>16/1/26                      पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता पक्षकारान छव.।                      उपस्थित अधिवक्तागण द्वारा न्यायिक कार्य का                      बहिष्कार करने/शोक सभा कर न्यायिक कार्य                      स्थगित रखने/अधिकारी जी आज अवकाश/                      भ्रमण/मीटिंग में पधारे है। पत्रावली पूर्व आदेश                      के क्रम में दिनांक <u>19/3/26</u> को पेश हो।                      D/S</p>	
<p>19/3/26                      वकूलस्य वादी/प्रतिवादी उप <u>दा. कायम/तलवी</u>                      के लिये मौका चाहते है। अतः <u>स.स. 46 की गत 42</u>                      अवसर दिया जाकर पत्रावली दि <u>28/4/26</u>                      को पेश हो।                      (SDO) मावली</p>	
<p>28/4/26                      पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता पक्षकारान छव.।                      उपस्थित अधिवक्तागण द्वारा न्यायिक कार्य का                      बहिष्कार करने/शोक सभा कर न्यायिक कार्य                      स्थगित रखने/अधिकारी जी आज अवकाश/                      भ्रमण/मीटिंग में पधारे है। पत्रावली पूर्व आदेश                      के क्रम में दिनांक <u>11/6/26</u> को पेश हो।                      B/S</p>	

04/6/26

पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता वादी मय स्वयं वादी अनुपस्थित। अधिवक्ता वादी मय स्वयं वादी को बार-बार आवजे दिलवाई गई। समय साँच 5:00 PM हो चुके हैं। स्वयं वादी एवं उनके अधिवक्ता अब तक अनुपस्थित हैं। पत्रावली के अवलोकन से प्रकरण वर्तमान में वारिस कायरी एवं तलवी में लम्बित हैं। जिसे लगभग 10 वर्ष का समय हो चुका है। इससे स्पष्ट जाहिर होता है कि वादी अपने वाद के प्रति सजग नहीं हैं एवं मात्र प्रकरण को लम्बा करना चाह रहे हैं। आज भी स्वयं वादी एवं उनके अधिवक्ता अनुपस्थित रहे हैं। अतः अधिवक्ता वादी मय स्वयं वादी अनुपस्थित रहने पर वादी का वाद अदम हाजरी अदम पैन्वी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल क्षुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय खुले न्यायालय सुनाया गया।



डुडुडु कलमर  
(डुडु) डुडुडु